- खगडिया संस्करण
- वर्ष: 5
- अंक: 159
- मूल्य ₹ 1.00
- पृष्ठ 04
- Reg: UDYAM-BR-17-0007168

दैनिक बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना। गुरुवार, 3 अक्टूबर 2024 web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com

आफत! 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ प्रभावित, भोजन-पानी के लिए तरस रहे लोग

दैनिक बिहार पत्रिका

बिहार के उत्तर और पूर्वी क्षेत्रों में बुधवार को नदियों के जलस्तर में कमी आई, लेकिन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की परेशानी बरकरार है। अब भी बड़ी संख्या में लोग बच्चों व मवेशियों के साथ तटबंधों व सड़कों के किनारे शरण लिए हुए हैं। वहां, उन्हें भोजन, पानी, दूध व दवाइयों की कमी से जूझना पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक राज्य के 17 जिलों की 14.62 लाख आबादी बाढ़ के पानी से घिरी हुई है। दरभंगा, सीतामढ़ी, चंपारण, कटिहार, खगड़िया और मधेपुरा में बड़ी संख्या में लोग बाढ़ से घिरे हैं। उनके घरों में पानी है। सड़कों पर भी दो से तीन फीट पानी बह रहा है। पूर्वी चंपारण में बाढ़ का पानी कम होने के साथ तबाही का मंजर दिखने लगा है। कीचड़ में सनी फसलें व घरों के बिखरे तिनके देख लोगों का कलेजा फटने लगा है। सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिले में बाढ़ के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने से आवाजाही

प्रभावित हुई है। सुगौली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में पानी घुसा हुआ है। दरभंगा में 50 हजार से अधिक बाढ़ पीड़ित अब भी पश्चिमी कोसी तटबंध पर शरण लिए हुए हैं। कटिहार जिले में महानंदा नदी का जलस्तर घट रहा है जबकि गंगा और कोसी नदी के जलस्तर में वृद्धि जारी है।सीतामढ़ी के तीन प्रखंडों में चार दिनों से बिजली गुल सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर, बेलसंड व परसौनी में बीते रविवार से ही बिजली गुल है। रुन्नीसैदपुर ग्रिड और अंचल सह प्रखंड कार्यालय में दो से तीन फीट पानी है। बिजली के खंभे कई जगहों पर टूट गए हैं। बेलसंड कोठी रोड पूरी तरह तहस-नहस हो गया है। बेलसंड-चंदौली रोड पर करीब 50 मीटर में रोड कट गया है।

90 हजार राशन पैकेट बांटे गए

आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत के मुताबिक, बुधवार को भी वायुसेना के हेलीकॉप्टर की मदद से राहत कार्य चलाया गया। करीब 90 हजार सूखे राशन पैकेट बांटे गए। अब तक दो लाख 60 हजार पीड़ितों को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ ने निकाला है। एसडीआरएफ की 17 और एनडीआरएफ की 16 टीमें इस कार्य में जुटी हैं।

डूबने से दस की मौत

बिहार के अलग-अलग जिलों में बुधवार को डूबने से 10 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पूर्णिया, खगड़िया और मुंगेर के दो-दो जबकि मधेपुरा, अररिया, दरभंगा और बांका जिले का एक-एक व्यक्ति शामिल है। दरभंगा के किरतपुर प्रखंड में बुधवार को डूबने से एक युवक की मौत हो गयी। वह पॉलीथिन शीट लेने एनएच पर जा रहा था, इसी दौरान वह बाढ़ के पानी में डूब गया। पूर्णिया के बायसी थाना क्षेत्र की खपड़ा पंचायत के वार्ड नौ में एक बच्चे की मौत बाढ़ के पानी में डूबने से हो गई।

छपरा : युवराज के आवास से गाड़ियों का काफिला जनसुराज अधिवेशन पटना रवाना

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

पटना में आयोजित जन सुराज अधिवेशन में शामिल होने के लिए सैकड़ों लोगों का जत्था दर्जनों चारपहिया वाहनों के साथ जन सुराज के जिला संयोजक प्रियरंजन युवराज के आवासीय परिसर से अभियान समिति के अनुमंडल संयोजक निलेश सिंह एवं पंचायत समिति सदस्य पिंटू तिवारी के नेतृत्व में निकला। अधिवेशन में शामिल होने के पहले महात्मा गांधी के तैल्य चित्र पर सभी ने माल्यार्पण कर गांधी जयंती मनाया।इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए युवराज ने कहा कि बिहार में अगली सरकार जन सुराज की बनेगी । उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर का दिन गांधी जयंती होने के कारण भारतवासियों के लिए महत्वपूर्ण दिन है। हम सभी बिहारवासियों के लिए यह दिन काफी महत्वपूर्ण साबित होगा क्योंकि दो अक्टूबर के दिन ही बिहार में व्यवस्था परिवर्तन की नींव पड़ रही है। इस अवसर पर पूर्व प्रत्याशी नंद किशोर सिंह,राजा महतो,विवेक मोदी,राहुल बजाज,पंकज सिंह समेत सैकड़ों जनसुराज के लोग उपस्थित थे। पटना अधिवेशन में शामिल होने के पूर्व जनसुराज का झंडा दिखाकर लोगों को जिला संयोजक प्रियरंजन युवराज ने रवाना किया। विदित हो कि युवराज के पिता का स्वर्गवास दो दिन पहले हुआ था जिस कारण वे अधिवेशन में शामिल होने पटना नही जा सके ।

हस्तकला प्रतियोगिता में लक्ष्मी कुमारी पुरस्कृत

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

छपरा शहर के मिश्री लाल साह आर्य कन्या उच्च विद्यालय की छात्रा राज लक्ष्मी कुमारी को विद्यालय प्रशासन के द्वारा मंगलवार को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि कला, संस्कृति एवम युवा विभाग , बिहार द्वारा छपरा के प्रेक्षा गृह में आयोजित हस्तकला प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा राज लक्ष्मी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ था। जिसके बाद राज लक्ष्मी कुमारी को बिहार कला ,संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा अवार्ड और सर्टिफिकेट से पुरस्कृत किया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अनिल कुमार मिश्रा ने प्रतिभागी को प्रोत्साहित किया तथा उसके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा विद्यालय की सभी छात्राओं को अपने भविष्य मे बेहतर करने के लिए प्रेरित किया। मौके पर शिक्षक अमित कुमार सिंह,संदीप कुमार,ध्रुव राज आर्य द्वारा भी छात्राओं को हस्तशिल्प के प्रति जागरूकता और प्रोत्साहन के लिए सम्बोधित किया गया।

गांधी बनकर बच्चों ने पढ़ाया अहिंसा का पाठ

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

सदर प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय डुमरिया अनुसूचित में मंगलवार को गांधी जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने एक से बढ़कर एक वेशभूषा धारण की थी। कार्यक्रम की शुरुआत महात्मा गांधी के चित्रों पर माला अर्पण कर दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम में नन्हें बच्चों ने गांधी बनकर बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बच्चों ने अहिंसा का पाठ पढ़ाया तो प्रभारी प्रधानाध्यापक कुमार ओमप्रकाश के राष्ट्रपिता के प्रिय गीत रघुपति राघव राजा राम ने बच्चों को खूब लुभाया। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को हम राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाते हैं। महात्मा गाँधी हमारे राष्ट्रपिता थे। हमें उनके जीवन से यह सीख मिलती है कि हमें सदा सत्य और अहिंसा की राह पर चलना चाहिए और अपने हर कार्य को पूरी निष्ठा और क्षमता के साथ करना चाहिए। शिक्षक संजय यादव ने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों को देश और देशभक्ति के मूल्यों से जोड़ने का एक उत्तम तरीका है। शिक्षिका नेहा निभा ने राष्ट्रपिता के विचारों व उनके द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

आरपीएफ ने स्कूल पहुंचकर छोटे बच्चों के साथ मनाया गांधी जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी / खगड़िया|राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान के मुहिम के तहत आरपीएफ खगड़िया के निरीक्षक प्रभारी अरविंद कुमार राम द्वारा खगड़िया जिले के अलौली थाना अंतर्गत शिक्षा संस्थान एवं कमास्थान मध्य विद्यालय में जाकर जन-जागरूकता अभियान चलाया गया । इस दौरान बच्चों को शिक्षा के साथ साथ रेलवे स्टेशन पर आने और यात्रा के दौरान रेल नियमों को पालन करने के बारे में जागरूक किया । उन्हें बताया गया कि वह जब कभी स्टेशन पर आए साफ सफाई का पुरा ध्यान रखें, किसी तरह का कचरा स्टेशन पर ना फैलाए या ट्रेन में यात्रा के दौरान किसी तरह का कचरा इधर-उधर ना फेक , अनाधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक ना पर करें, चलती ट्रेन में ना चढ़े-उतारे, किसी भी अनजान व्यक्ति से यात्रा के दौरान दोस्ती ना करें नहीं किसी अनजान व्यक्ति से यात्रा के दौरान खाने-पीने का कोई सामान खाएं, चलती ट्रेन पर पत्थर ना मारे, रेलवे ट्रैक से किसी तरह का छेड़छाड़ ना करें आदि के बारे में बच्चों को जागरूक किया।

स्नान करने के दौरान गंगा के पानी में डुबने से युवक की मौत

- मृतक का प्रोफाइल फोटो
- रोते बिलखते मृतक के परिजन

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया| गोगरी प्रखण्ड के रामपुर पंचायत के रामपुर गांव के एक युवक की स्नान करने के क्रम में डुबने से मौत हो गया। जानकारी अनुसार रामपुर गांव के मो रसूल के पुत्र मो निसार आलम बाढ की पानी में रामपुर गांव में बाढ की पानी में स्नान कर रहे थे, अचानक अथाह पानी में चला गया। जिससे यूवक का गंगा नदी में डुबने से मौत हो गया, स्थानीय लोगों ने खोजबीन कर गंगा नदी से उसके शव को पानी से निकाला एवं जिन्दा समझ इलाज के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल लाया। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही बाद में गोगरी थाना अध्यक्ष अजीत कुमार ने शव को पोस्टमार्टम के लिए खगरिया भेज दिया।

इस मौके पर रामपुर पंचायत के मुखिया कृष्णानंद यादव, युवा नेता जदयू के जाहिद हुसैन, शेख मोहम्मद जुनेद मो सोनू,मो अत्ताउल्लाह,मो अताउल आदि सहित काफी संख्या में स्थानीय लोग व ग्रामीण रेफरल अस्पताल में मृत्तक को देखने पहुँचे थे। मृत्तक के डूबने की खबर सुन उनके परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है।

विश्व वन्य प्राणी सप्ताह के तहत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

महात्मा गाँधी के जयंती के अवसर पर सारण वन प्रमंडल छपरा द्वारा विश्व वन्य प्राणी सप्ताह 2024 का शुरुआत सदर प्रखंड के मेथवालिया पोखरा पर स्वच्छता ही सेवा सह वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर किया गया । विदित हो कि दो अक्टूबर से आठ अक्टूबर तक वन प्रमंडल पदाधिकारी,सारण श्रीराम सुंदर एम के निर्देशानुसार प्रमंडल अंतर्गत विश्व वन्य प्राणी सप्ताह मनाया जा रहा है।इस आयोजन के अंतर्गत पोखर एवं उसके आस पास साफ सफाई कार्य किया गया । सफाई के साथ साथ विभिन्न प्रजाति के कुल 60 पौधों(कचनार,छतवन,नीम इत्यादि)का रोपण किया गया तथा पौधों की सुरक्षा हेतु बॉस गैबियन लगाया गया। इस कार्यक्रम मे बड़े पैमाने पर स्वंयसेवी संस्थान के लोगो ने भाग लिया साथ ही स्थानीय लोगों ने भी स्वच्छता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। लोगो को स्वच्छता एवं प्रकृति की सुरक्षा हेतु जागरूक किया गया।जलतंत्र की स्वच्छता एवं नगरों में वृक्षारोपण की महत्वता के बारे में अवगत कराया गया । इस मौके पर वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी श्री बांके पासवान,वन परिसर पदाधिकारी अखिलेशवर सिंह, सुश्री प्रतीक्षा सिंह एवं अन्य वनकर्मी उपस्थित रहे। इस आयोजन में नमामी गंगे से जिला परियोजना पदाधिकारी नीतीश कुमार एवं उनके कर्मचारीगण ने भी भाग लिया । नमामी गंगे द्वारा इस अवसर पर लोगो में हैंडवाश का वितरण किया गया । इस कार्यक्रम में राजकुमार, सुबोध कुमार,सोनू कुमार,मिंटू कुमार आदि लोगो ने विशेष सहयोग किया।

गांधी जयंती के अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी ने लगाया रक्तदान शिविर

जिलाधिकारी ने महात्मा गाँधी के जीवन की प्रेरक बातें साझा की

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल के प्रांगण में रेड क्रॉस सोसाइटी सारण और लायंस क्लब ऑफ़ छपरा के संयुक्त तत्वाधान में महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर रक्तदान शिविर और नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी एवं लायंस क्लब ऑफ छपरा के 9 से अधिक युवाओं ने रक्तदान किया तथा 530 से अधिक बच्चों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की गई। शिविर का उद्घाटन सारण के जिला अधिकारी अमन समीर और डीडीसी यतेंद्र कुमार पाल की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। अमन समीर ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन पर प्रेरक बातें साझा कीं, जिन्होंने हमारे देश को नई दिशा दी। रेड क्रॉस सोसायटी सारण के जिला सचिव जीनत जरीना मसीह ने विशेष धन्यवाद लायंस क्लब ऑफ़ छपरा के चिकित्सकों डॉ. महेश्वर चौधरी, डॉ. राज कुमार सिंह, डॉ. उज्ज्वल कुमार वर्मा,डॉ इशिता सिन्हा एवं ब्लड बैंक के प्रभारी एवम कर्मी को दिया जिनकी सेवाओं ने इस आयोजन को सफल बनाया। सीपीएस ग्रुप के चेयरमैन सह रेड क्रास सोसाइटी के जिला प्रतिनिधि डॉ. हरेन्द्र सिंह और सीपीएस के प्राचार्य श्री मुरारी सिंह ने सभी अतिथियों का सम्मान किया, और मंच संचालन लायन क्लब ऑफ छपरा के अध्यक्ष डॉ. विकाश कुमार सिंह ने किया। इस कार्यक्रम के सफ़ल अयोजन में रेड क्रॉस सोसाइटी सारण के अध्यक्ष डॉ० एच० के० वर्मा,कोषाध्यक्ष सुरेश प्रसाद सिंह,सदस्य डॉ० शहजाद आलम,जितेंद्र कुमार,संजीव चौधरी,अमन राज की अहम भूमिका रही।

अमर्यादित शब्द को वापस लें विधान पार्षद : समरेंद्र बहादुर सिंह

दैनिक बिहार पत्रिका/छपरा

दुर्गा पूजा की छुट्टी में कटौती को लेकर बिहार के सरकारी स्कूल के शिक्षक नाराज हैं। वो लगातार नवरात्र की छुट्टी बढ़ाए जाने की मांग कर रहे हैं। इसी क्रम में शिक्षकों की छुट्टी की मांग पर विधान पार्षद नवल किशोर यादव के बयान पर शिक्षक नेता समरेंद्र बहादुर सिंह ने आपत्ति जताई । उन्होंने कहा कि नवरात्र के समय छुट्टी की परंपरा वर्षो से चली आ रही है। पहले सरकारी स्कूलों में कलश स्थापना से लेकर विजयदशमी तक दुर्गा पूजा की छुट्टी दी जाती थी लेकिन इस वर्ष स्कूलों में अवकाश में कटौती की गई है। ग्रीष्मावकाश के समय भी शिक्षकों ने सरकार के आदेश का पालन करते हुए पठन पाठन का कार्य जारी रखा अब नवरात्रि के समय भी छुट्टी की कटौती से शिक्षकों में बेहद नाराजगी है इसलिए लगातार शिक्षकों द्वारा अवकाश की मांग की जा रही है। शिक्षकों की जायज मांग पर विधानपार्षद के अशोभनीय शब्दों के प्रयोग से पूरे शिक्षक समाज मे नाराजगी है। उन्हें शिक्षकों के लिए चिरकुट जैसे निम्नस्तरीय शब्दों का प्रयोग नही करना चाहिए।शिक्षक नेता ने कहा कि वे अविलंब अपने शब्दों को वापस ले तथा भविष्य में इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग भूलकर भी किसी शिक्षक के लिए नही करें । इस मौके पर संजय यादव, विनोद राय,निजाम अहमद,हवलदार मांझी,इंद्रजीत महतो,पीयूष तिवारी, श्यामबाबु सिंह,अनिल दास,पंकज प्रकाश,रणजीत सिंह,मंटू मिश्रा,बलराम यादव, प्रकाश ओझा,प्रीतम वर्मा,अभय कुमार,राहुल रंजन,विनायक यादव,रमेश सिंह,अबु तल्हा,जितेंद्र सिंह,मंटू सिंह,सुमन प्रसाद कुशवाहा,स्वामीनाथन राय,अजीत पांडेय,ललन राय,उमेश राय अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

बाढ़ के पानी मे कई बोरा चावल को फेंकने का वीडियो वायरल

दैनिक बिहार पत्रिका

फोटो :चावल को पानी मे फेंकते हुए मजदूर

प्रतिनिधि, गोगरी /खगड़िया|गोगरी प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बोरना मे आयी बाढ़ के पानी मे कई बोरा चावल को फेंकने क वीडियो वायरल होने के बाद गांव का माहौल गर्म बना हुआ है। कुछ ग्रामीणों के द्वारा इसे प्राथमिक विद्यालय छोटी बोरना का चावल बताया जा रहा है। वीडियो के अनुसार उस चावल को मजदूर द्वारा बोरी मे लाया जा रहा है और बाढ़ के पानी मे उझल दिया जा रहा है। ऐसा कई बार हो रहा है। ग्रामीणों मे इसका रोष व्याप्त है की कई लोगों को खाने के लिए चावल नहीं मिल रहा है। और स्कुल के द्वारा इसे पानी मे फेंका जा रहा है।हालांकि इस मामले मे उक्त विद्यालय के प्रधान संजय ठाकुर द्वारा कहा गया की यह मेरे विद्यालय का चावल नहीं है। बदनाम करने के नियत से कुछ लोगों दवरा मेरे स्कुल का नाम लिया जा रहा है। इस मामले मे अनुमंडल पदाधिकारी सुनंदा कुमारी ने कहा की मामले की जानकारी मिली है। जाँच करवाया जायेगा। यदि किसी विद्यालय का चावल होगा तो उस विद्यालय के प्रधान बक्शे नहीं जायेंगे।

आल इण्डिया लायर्स यूनियन की बैठक मे लिए गए अहम् निर्णय

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी खगड़िया|ऑल इण्डिया लॉयर्स युनियन गोगरी खगड़िया की एक आवश्यक बैठक प्रेम शंकर मिश्र की अध्यक्षता में विधिज्ञ संघ गोगरी के सभागार में आयोजित की गई। सर्वप्रथम खगड़िया व्यवहार न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं ए0आई0एल0यू0 के संस्थापक सदस्य वसंत कुमार सिन्हा के निधन पर एवं भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जाने-माने नेता सी0पी0आई0एम0 के महासचिव जे0 एन0 यू0 के पूर्व अध्यक्ष का0 सीताराम येचुरी के आकस्मिक निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर शोक संतृप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस बैठक में ए0आई0एल0यू0 बिहार राज्य के उपाध्यक्ष नलिनेश कुमार सिन्हा ने भारत सरकार के द्वारा तीन नए अपराधिक कानून को जन विरोधी तथा संविधान द्वारा प्रदत नागरिक अधिकारों, पुलिस को असीमित अधिकार सौपने, कानून राज्य को समाप्त करने, तानाशाही की ओर शासक वर्ग का कुंठित प्रयास बताया ।इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया गया, जो दुर्गा पूजा उपरांत इन तीनों कानून के विरुद्ध एक जिला स्तरीय सेमिनार का आयोजन खगड़िया में करने का निर्णय लिया गया, जिसमें राज्य एवं केंद्र के जाने-माने अधिवक्ता को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया ।

इस बैठक में अनंत प्रसाद, वरिष्ठ अधिवक्ता नंदकिशोर मंडल, अमर सिंह, कुमुद चंद्र राय, मिथिलेश कुमार सिन्हा, वकील मंडल, संजीव कुमार, विपिन कुमार ,पुष्पा कुमारी, बबीता कुमारी, अंजार आलम,योगेश निषाद, एहतेशाम ,अनिमेष कुमार अनल, अजीत कुमार ,सुशांत कुमार, सीताराम शर्मा आदि मौजूद थे।

गोगरी नगर परिषद कार्यालय में गांधी जयंती के मौके पर सफाई मजदूरों के बीच किया गया प्रशस्ति पत्र का वितरण

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया|गांधी जयंती के मौके पर वुधवार को गोगरी नगर परिषद कार्यालय में सफाई मजदूरों के बीच प्रशस्ति पत्र वितरण किया गया। प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम से पहले नगर परिषद के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। इस मौके पर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सोनी कुमारी ने नगर कर्मियों, सफाई मजदूरो एवं जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वच्छता के अग्रदूत थे। उन्होंने भारत को आजादी दिलाने के अलावे स्वच्छता पर को लेकर जो लोगों को संदेश दिया है, वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। नगर परिषद को साफ एवं स्वच्छ रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई मजदूरों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उसके सम्मान में कई महत्वपूर्ण बातें कहीं। इस मौके पर अध्यक्ष रंजीता कुमारी निषाद ने भी सफाई मजदूरों का हौसला बढ़ाते हुए उसे सम्मानित किया। इस मौके पर गोगरी नगर परिषद के कई वार्ड पार्षद चंदन यादव विकाश यादव,नीतिश कुमार,जितेन्द्र निषाद,लखन निषाद,अमन कुमार,राकेश कुमार एवं नगर परिषद के कर्मी व सफाई मजदूर मौजूद थे।

मानव श्रृंखला मेलजोल की संस्कृति को बढ़ावा देता है: डॉ रोशन रवि

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी/ खगड़िया|के.डी.एस. कॉलेज गोगरी में गांधी जयंती के अवसर पर विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग सह एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ रोशन रवि के नेतृत्व में तथा विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान विभाग ब्रज विनोद गौतम एवं हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार के सफल निर्देशन में विशाल मानव श्रृंखला बनाई गई। इसके बाद 'गांधी और शास्त्री के विचारों की प्रासंगिकता' विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार महाविद्यालय की एनएसएस इकाई के द्वारा लगातार कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसका समापन गांधी जयंती के अवसर पर किया गया। डॉ रोशन रवि ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आज मानव श्रृंखला आयोजित करने का मूल उद्देश्य है कि गांधी जी हमेशा से भारत को जोड़ने की बात करते रहे हैं और हर वर्ग के लोगों को सहयोग के साथ आगे बढ़ाने की भी बात कहते रहे हैं। मानव श्रृंखला में जब हाथ से हाथ जुड़ते हैं, तब मानव समुदाय को साथ-साथ चलने की प्रेरणा मिलती है। मानव श्रृंखला में एक दूसरे से जुड़ने का संकल्प निहित होता है। यह मेलजोल की संस्कृति को बढ़ावा देता है। मानव श्रृंखला राष्ट्र की एकजुटता का प्रतीक है । विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग ब्रज विनोद गौतम ने कहा कि मानव श्रृंखला बनाने का उद्देश्य सामाजिक सहभागिता के आधार पर अपने आस पास की गन्दगी के उन्मूलन की दिशा में सरकार के प्रयासों का समर्थन करना है।

हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ पंकज कुमार ने कहा कि हिंदी के सहायक आचार्य डॉ पंकज सत्यार्थी ने कहा कि जनमानस में स्वच्छता को लेकर समभाव की धारा को प्रवाहित करना ही इस मानव श्रृंखला का मूल उद्देश्य है क्योंकि स्वच्छता से ही संपन्नता आती है।

मानव श्रृंखला वसुधैव कुटुंबकम् की भावना से प्रेरित रही है।

पुस्तकालय अध्यक्ष सह कार्यक्रम सहयोगी बबलू कुमार ने कहा कि मानव श्रृंखला में विद्यार्थियों में सहयोग का भाव दिखा। मौके पर पवन यादवेश, मनीष कुमार, प्रवीण कुमार, पवन कुमार, विद्यानंद आदि मौजूद रहे।

बुल्लीचंद आदर्श विद्यालय में धूमधाम से मनाया गया गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती

दैनिक बिहार पत्रिका / मों साजिद

गोगरी: जमालपुर बाजार स्थित बुल्लीचंद आदर्श मध्य विद्यालय में 2 अक्टूबर गांधी जयंती लाल बहादुर शास्त्री जयंती मनाया गया प्रधानाध्यापक एवं सभी शिक्षक शिक्षकों के द्वारा धूमधाम से मनाया गया 11:00 बजे प्रार्थना के क्रम में ही गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के फोटो पर फूल अर्पित करके उनके बातों को याद करके उनका नारा लगाया गया सभी बच्चों ने अपना अपना परिचय दिखाते हुए सभी अपने-अपने स्पीच को सर के सामने सुनाया सर ने उनका सम्मान में कॉपी कलम वितरण किया सभी बच्चों का मनोबल बढ़ाया वही प्रधानाध्यापक इनामुल हक फरीदी बंदना मैडम PT SIR रसोईया रही मौजूद सभी ने अपने अपने हाथों से पुरस्कार ही बच्चों को वितरण किया|

स्वच्छता अभियान के तहत चलाया सफाई अभियान

दैनिक बिहार पत्रिका

प्रतिनिधि, गोगरी /खगड़िया|2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर दिव्यांग जन कल्याण समिति के सिस्ट मंडल ने स्वच्छता अभियान के तहत चलाया सफाई अभियान दि महात्मा गांधी की जयंती पर सच्ची श्रद्धांजलि इस अवसर पर संघ के जिला अध्यक्ष श्री पवन कुमार पासवान ने बताया कि जिस प्रकार गांधी जी देशवासियों को सत्य अहिंसा के मार्ग पर चलने के साथ-साथ जगह-जगह सफाई अभियान को भी चलाने का कार्य किया करते थे आमजन बीमारी ग्रसित ना हो इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका स्वच्छ वातावरण कहो ना परम आवश्यक है और दिव्यांगजन इस कार्य को कर सकते हैं तो अन्य लोगों को भी सीख लेने की आवश्यकता है और अपने आसपास गंदगी को नहीं फैलने देने का संकल्प ले गांधी जी के जयंती की सच्ची श्रद्धांजलि को दर्शाता है वहीं संघ के सदस्यों में सलाहकार दिलीप पासवान सचिव विनय कुमार मिश्रा अखिलेश कुमार यादव ने भी अपनी बातें रखी किस अवसर पर संघ के अनुमंडल अध्यक्ष संदीप पटेल उपाध्यक्ष अंशाद आलम आरटीआई प्रभारी बृजेश कुमार प्रखंड अध्यक्ष रामदेव कुमार मिथिलेश दास प्रवीण सहित कई गण मन व्यक्ति मौजूद थे

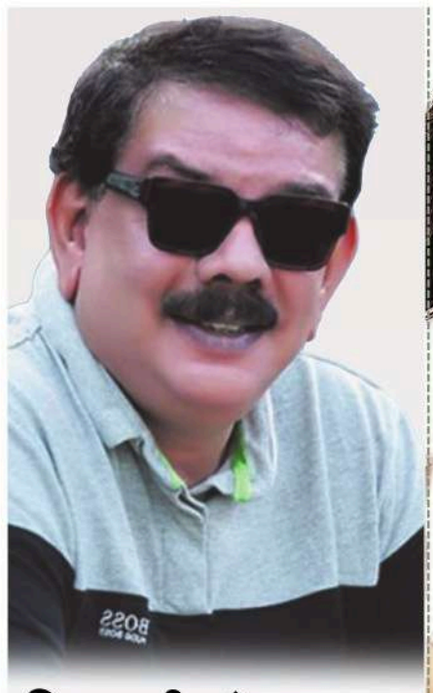

प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ सहयोग को बताया चैलेंजिंग

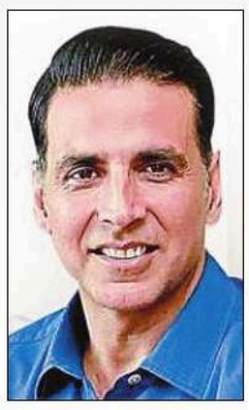

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार ने हाल ही में 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अपने पुनर्मिलन की घोषणा की। अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी ने हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला के लिए टीम बनाई है। उनके सहयोग ने सिनेप्रेमियों को काफी उत्साहित कर दिया है और वे इसका इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में अक्षय के साथ हेरा फेरी, भूल भुलैया, भागम भाग, दे दना दन और गरम मसाला जैसी फिल्मों में काम कर चुके प्रियदर्शन ने कहा कि वे 14 साल बाद एक साथ आए हैं और अपनी तरफ से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं, लेकिन दर्शकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं। आईफा अवार्ड्स 2024 के ग्रीन कार्पेट पर अपनी हालिया उपस्थिति के दौरान, प्रियदर्शन ने 14 साल बाद अक्षय के साथ फिर से जुड़ने के बारे में बात की और बताया कि कैसे वह दर्शकों की उम्मीदों को प्रबंधित नहीं कर सकते। उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा, मैंने उनके साथ जो भी फिल्म बनाई वह सुपरहिट रही है। लोग कहते हैं कि अक्षय कॉमेडी करते हैं इसका कारण आप हैं, लेकिन मैं उन सब चीजों पर विश्वास नहीं करता। प्रियदर्शन ने आगे कहा, मैंने जो किया वह (स्क्रीन पर) उनकी हास्य की भावना का फायदा उठाना था। हम 14 साल बाद काम कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि चीजें काम करेंगी। यह एक चुनौती है। हम दर्शकों की अपेक्षाओं से मेल नहीं खा सकते लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं।

अक्षय किस तरह के अभिनेता हैं, इस बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि अमिताभ बच्चन के बाद अक्षय ऐसे अभिनेता हैं जो समर्पित हैं और समय पर काम करते हैं। प्रियदर्शन ने भूल भुलैया के पहले भाग का निर्देशन किया था जिसमें अक्षय कुमार और विद्या बालन ने अभिनय किया था। भूल भुलैया 3 की आगामी रिलीज पर प्रतिक्रिया देते हुए, प्रियदर्शन ने कहा कि अनीस बज्मी ने भूल भुलैया के दूसरे भाग के साथ अच्छा काम किया था और उन्हें लगता है कि वह तीसरे भाग के साथ भी ऐसा ही करेंगे। प्रियदर्शन भूल भुलैया के सीक्वल भागों का निर्देशन करने के लिए वापस नहीं लौटे क्योंकि फिल्म निर्माता अपनी फिल्मों के सीक्वल का निर्देशन करने में विश्वास नहीं करते हैं।

नेपोटिज्म के चलते कई फिल्मों से हाथ धो बैठे ये सितारे

बॉलीवुड इंडस्ट्री में तमाम कलाकारों ने नेपोटिज्म का सामना किया है। दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद इस विषय पर हर उस कलाकार ने बात की थी, जो इसका शिकार हुए हैं। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई खानदान वर्षों से राज करते हुए आए हैं। ऐसे में इंडस्ट्री के बाहर के सितारों को अपनी जगह बनाने के लिए कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।

रकुल प्रीत सिंह

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह का। रकुल ने हाल ही में नेपोटिज्म के बारे में बात की। रकुल ने यह खुलासा किया कि स्टारकिड्स के चलते उनके हाथों से भी कई फिल्में छीन ली गई हैं। हालांकि, रकुल इस बात से उदास नहीं होतीं। उन्होंने कहा कि भले ही फिल्में नहीं मिलीं, लेकिन इससे उनके मन में कड़वाहट पैदा नहीं होती, बल्कि वह सोचती हैं कि ये फिल्में उनके लिए नहीं थीं।

प्रियंका चोपड़ा

इस लिस्ट में अगला नाम आता है प्रियंका चोपड़ा का। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय कर चुकी अभिनेत्री नेपोटिज्म और इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति पर खुलकर बात कर चुकी हैं। अभिनेत्री के लिए हॉलीवुड का रुख करने का कारण नेपोटिज्म भी था। दरअसल, बॉलीवुड में उन्हें नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा था। उन्होंने बताया कि किस तरह से बॉलीवुड में उन्हें अलग थलग कर दिया था। उन्हें निर्देशक और निर्माताओं ने फिल्मों में काम देना बंद कर दिया था, जिसके चलते वह काफी परेशान हो गई थीं।

तापसी पन्नू

इस लिस्ट में अगला नाम आता है अभिनेत्री तापसी पन्नू का। साउथ इंडस्ट्री में अभिनय का दम दिखाने के बाद तापसी आज बॉलीवुड में भी राज कर रही हैं। हालांकि, उन्हें भी अपने करियर के दौरान नेपोटिज्म का शिकार होना पड़ा है। एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने बताया था कि उन्हें रातों-रात एक फिल्म से बाहर कर दिया गया था। इस फिल्म में बाद में एक स्टार किड को कास्ट किया गया था।

कृति सेनन

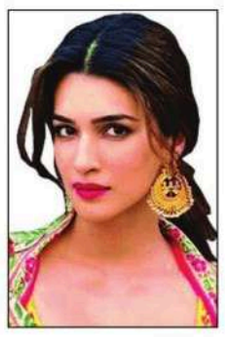

बॉलीवुड की हॉट अभिनेत्री कृति सेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। कृति अब बॉलीवुड में अपने कदम जमा चुकी हैं। इसके साथ ही अभिनेत्री ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस ब्लू बटरफ्लाई फिल्म्स भी लॉन्च किया है। कृति ने बॉलीवुड में फिल्म हीरोपंती से करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने इंडस्ट्री में तमाम फिल्मों में काम किया है।

सुशांत सिंह राजपूत

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत एक बेहतरीन अभिनेता थे। उन्होंने अपने अभिनय के दम पर इंडस्ट्री में जगह बनाई थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने नेपोटिज्म का कई बार सामना किया था। कई बार सीधे तौर पर अभिनेता ने इंटरव्यू में बताया था कि उन्हें नेपोटिज्म का सामना करना पड़ा है। कई बार उनके हाथ से अच्छी फिल्में निकल गई हैं। उनकी मौत के बाद इंडस्ट्री में नेपोटिज्म के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया था, जिसके बाद तमाम सेलेब्स ने इंडस्ट्री में हो रहे भेदभाव का खुलासा किया था।

राजकुमार राव

राजकुमार राव आज बॉलीवुड के बेहतरीन अभिनेता माने जाते हैं। उन्होंने अपनी नेचुरल एक्टिंग से करोड़ों दर्शकों का दिल जीता। हालांकि, करियर के शुरुआत में उन्हें अपनी पहचान और नाम बनाने के लिए काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस दौरान वह कई बार नेपोटिज्म का भी शिकार हुए और कई फिल्मों से बाहर निकाले गए।

आईफा उत्सवम में अवार्ड पाने वाली मृणाल ठाकुर ने कहा, यह मेरी पूरी टीम की जीत है

हाय नन्ना, लस्ट स्टोरीज 2, सीता रामम और कई अन्य फिल्मों में अपने दमदार अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मृणाल ठाकुर आईफा उत्सवम में पुरस्कार जीतने पर बेहद खुश हैं। अभिनेत्री ने हिट फिल्म 'हाय नन्ना' में यशना की भूमिका के लिए आईफा में ट्रॉफी जीती है। मृणाल ने कहा, मैं इस अवॉर्ड के लिए बहुत आभारी हूं। मेरे लिए यशना की भूमिका निभाना वास्तव में एक खास अनुभव था, जिसने मुझे प्यार और भावना की गहराई के बारे में जानने का मौका दिया। मैं अपनी इस सफलता का सारा श्रेय अपने निर्देशक, प्रतिभाशाली सह-कलाकारों और पूरी टीम को देती हूं। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है। यह हमारी पूरी टीम की कड़ी मेहनत और समर्पण का फल है।

उन्होंने आगे कहा, मैं इस सफर को जारी रखते हुए दर्शकों के साथ और भी बेहतर कहानियां शेयर करने के लिए तैयार हूं। यह मेरा पहला आईफा अवार्ड है। इस अवॉर्ड को रानी मैम और ऐश्वर्या मैम जैसे कलाकारों के साथ शेयर करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मृणाल के दिल को छू लेने वाले अभिनय ने उनके प्रशंसकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी है। जटिल किरदारों में अच्छे से फिट होने की उनकी क्षमता ने उन्हें इंडस्ट्री की खास अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। मृणाल की आने वाली फिल्मों पर एक नजर डाले तो वह बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन के साथ अपकमिंग फिल्म 'सन ऑफ सरदार' में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन विजय कुमार अरोड़ा ने किया है। उनके पास 'पूजा मेरी जान' और वरुण धवन के साथ डेविड धवन की एक कॉमेडी फिल्म भी पाइपलाइन में है।

आयरनमैन ट्रायथलॉन से लौट कर सैयामी ने हैदराबाद में शुरू की फिल्म की शूटिंग

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री सैयामी खेर ने सनी देओल के साथ अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। वह हाल ही में आयरनमैन ट्रायथलॉन में भाग लेकर जर्मनी से लौटी हैं। इस फिल्म का नाम अभी तय नहीं हो पाया है। फिल्म में वह सनी देओल के साथ नजर आएंगी। सैयामी खेल के प्रति अपने जुनून और अपने काम के बीच संतुलन बना रही हैं। काम पर वापसी के बारे में बात करते हुए सैयामी ने कहा, आयरन मैन 70.3 को पूरा करना मेरा लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया, इस रेस में भाग लेकर अब मैं तरोताजा महसूस कर रही हूं और अब मैं उसी ऊर्जा को सेट पर वापस ला रही हूं। सनी सर के साथ काम करना विशेष अनुभव प्राप्त करने जैसा है। मैं हैदराबाद में टीम के साथ इस यात्रा को जारी रखने के लिए बहुत उत्साहित हूं। सैयामी को हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर स्ट्रीमिंग हुई मूवी 'शर्माजी की बेटी' में देखा गया था। इस फिल्म में वह साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता, परवीन डबास और शारिब हाशमी के साथ नजर आई थीं। यह फिल्म 28 जून, 2024 को प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी।

मैंने उनके लेवल को भी नहीं छुआ है, आलिया से तुलना किए जाने पर बोलीं अनन्या

अनन्या पांडे अपनी नई फिल्म कंट्रोल को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अभिनेत्री जोरो-शोरों से इस फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। अनन्या की यह फिल्म एआई पर बनी है, अब हाल ही में अनन्या से आलिया को लेकर एक सवाल पूछा गया, जिसके जवाब को लेकर उनकी खूब सहाना हो रही है। फिल्मीज्ञान के साथ एक साक्षात्कार में अनन्या ने पूछा गया कि लोग उनकी आलिया के साथ तुलना करते हैं, इस पर वह क्या सोचती हैं। इसके जवाब में अनन्या ने कहा कि यह एक बड़ा कॉम्प्लीमेंट हैं, लेकिन मुझे नहीं लगता है कि मैंने आज तक वह लेवल भी छुआ है, जो आलिया ने आज तक किया है। अनन्या के इस जवाब की लोग जमकर तारीफ कर रहे हैं।

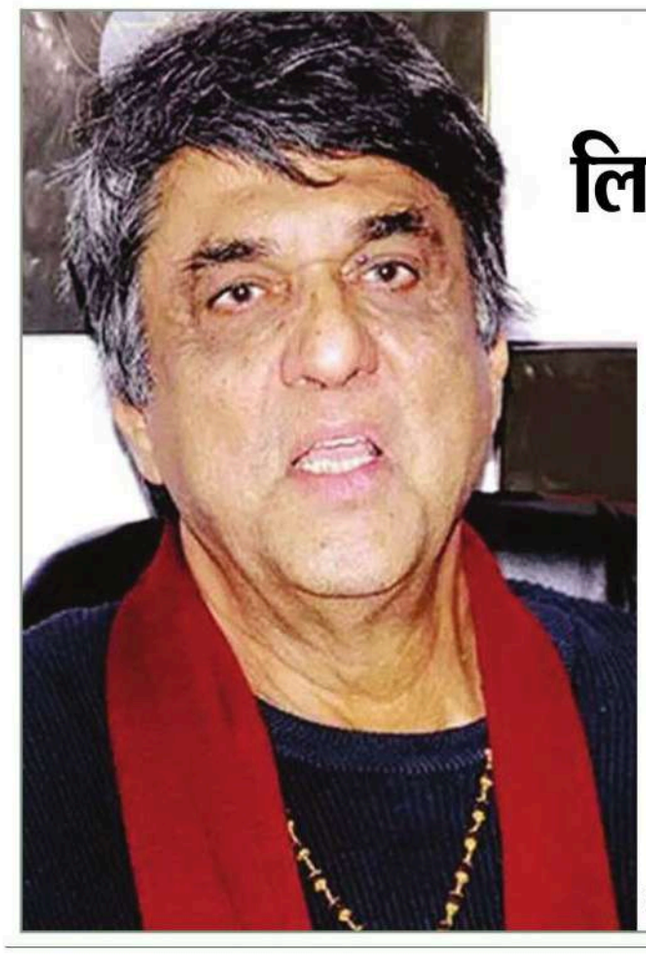

शक्तिमान की कास्टिंग के लिए तीन घंटे तक मुकेश खन्ना को मनाते रहे रणवीर सिंह

अभिनेता मुकेश खन्ना अपने बेबाक बयानों को लेकर काफी चर्चा में रहते हैं। अभिनेता शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश नहीं करते हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि फिल्म में शक्तिमान का किरदार रणवीर सिंह निभाएंगे, लेकिन मुकेश खन्ना रणवीर को इस किरदार में कास्ट करने को लेकर भड़क गए थे और इस खबर का पूरी तरह से खंडन भी कर दिया था। अब अभिनेता ने बताया है कि रणवीर सिंह ने उन्हें शक्तिमान की कास्टिंग स्वीकार करने के लिए तीन घंटे तक मनाया था। हालांकि, इसके बाद भी वह नहीं माने थे।

शक्तिमान का रोल करना चाहते थे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह को शक्तिमान के रूप में कास्ट किए जाने पर सोशल मीडिया पर अपनी असहमति जताने के बाद मुकेश खन्ना ने अब बताया है कि रणवीर ने उन्हें कास्टिंग स्वीकार करने के लिए मनाने के लिए पर्सनली उनसे मुलाकात की थी। हालांकि, मुकेश ने रणवीर को साफ बता दिया था कि शक्तिमान के किरदार के लिए अभिनेता में जो क्वालिटी होनी चाहिए, वह रणवीर सिंह में नहीं थी। अब हाल ही में बॉलीवुड ठिकाना से बात करते हुए मुकेश ने कहा, अब लोगों को पता चल गया है कि रणवीर सिंह मुझे शक्तिमान की भूमिका निभाने के लिए मनाने आए थे। मैं इसे छिपा भी नहीं सकता क्योंकि बाद में लोगों ने कहा कि मैंने रणवीर की तारीफ की और उन्हें एक बेहतरीन अभिनेता कहा। रणवीर के शक्तिमान की भूमिका निभाने की पुष्टि होने की खबरें आने लगीं, लेकिन मैंने इसके लिए हामी नहीं भरी थी।

मुकेश खन्ना ने नहीं दी मंजूरी

अभिनेता ने आगे कहा, मेरा सोनी के साथ भी टकराव है और मैंने एक वीडियो डालकर बताया था कि मैंने रणवीर को भूमिका निभाने की मंजूरी नहीं दी है और इसका कारण यह है कि...रणवीर उस दिन मेरे सामने तीन घंटे तक बैठा रहा, लेकिन आखिरकार मुझे उन्हें बताना पड़ा कि उसके चेहरे पर जो दिखना चाहिए था, वह नहीं था। वह चंचल लग रहा है, जैसे कोई दूसरों को धोखा दे सकता है। लेकिन वह एक बेहतरीन अभिनेता हैं। जब मैंने उनकी तारीफ की तो मैंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में उसके जैसी एनर्जी किसी और में नहीं है, लेकिन मैंने उन्हें इस भूमिका के लिए मंजूरी नहीं दी। उन्हें बुरा लगा होगा। हालांकि, इंडस्ट्री में यह निर्माता ही होता है जो अभिनेता को कास्ट करता है, न कि कोई और। वह फोटोशूट एक बहुत बड़ी वजह थी, जिसकी वजह से मैं खफा था। जब मैंने वह फोटोशूट देखा, तो मैंने कहा, क्या कर रहा है यार।

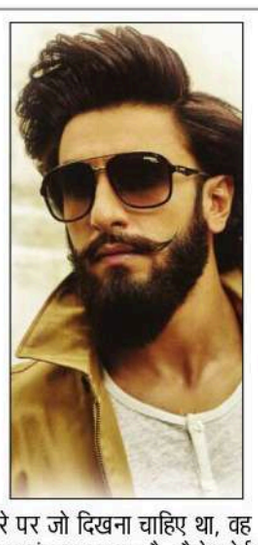

जब तक निकाह नहीं होगा, अपना रिलेशनशिप पब्लिक नहीं करेंगी सना

सना सुल्तान अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 के बाद से सना काफी लाइमलाइट में रहती हैं। अब हाल ही में एक साक्षात्कार में सना से उनकी लव लाइफ के बारे में पूछा गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि शादी से पहले वह अपने रिलेशनशिप का खुलासा नहीं करेंगी। अभिनेत्री ने आगे हिंट देते हुए कहा कि वह किसी के साथ रिश्ते में तो हैं, लेकिन वह इस इंडस्ट्री से नहीं है। इसके साथ ही सना ने बताया कि आज कल रिश्ते ज्यादा इसलिए टूटते हैं क्योंकि जो चीज लोगों को बाद में करनी वह पहले ही कर लेते हैं।

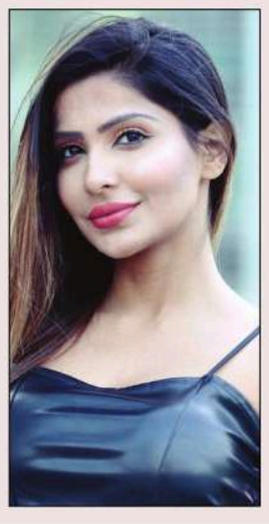

वर्ष के चार नवरात्रों में चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। नवरात्र में देवी माँ के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी माँ की मूर्तियाँ बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। मान्यता है कि नवरात्र में महाशक्ति की पूजा कर श्रीराम ने अपनी खोई हुई शक्ति पाई, इसलिए इस समय आदिशक्ति की आराधना पर विशेष बल दिया गया है।

ऊर्जा का उत्सव
नवरात्री

नवरात्रि एक हिंदू पर्व है। नवरात्रि संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है नौ रातें। यह पर्व साल में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ, अश्विन, पोषप्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातो में तीन देवियों - महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वतीया सरस्वतीकि तथा दुर्गा के नौ स्वरुपों की पूजा होती है जिन्हे नवदुर्गा कहते हैं। नौ देवियाँ है - श्री शैलपुत्री, श्री ब्रह्मचारिणी, श्री चंद्रघंटा, श्री कुष्मांडा, श्री स्कंदमाता, श्री कात्यायनी, श्री कालरात्रि, श्री महागौरी, श्री सिद्धिदात्री।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदेय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन काल से मनाया जा रहा है। सर्वप्रथम श्रीरामचंद्रजी ने इस शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुद्र तट पर किया था और उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया और विजय प्राप्त की । तब से असत्य, अधर्म पर सत्य, धर्म की जीत का पर्व दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशः अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं । नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविधाओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दस महाविधाएँ अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

प्रमुख कथा

लंका-युद्ध में ब्रह्माजी ने श्रीराम से रावण वध के लिए चंडी देवी का पूजन कर देवी को प्रसन्न करने को कहा और बताए अनुसार चंडी पूजन और हवन हेतु दुर्लभ एक सौ आठ नीलकमल की व्यवस्था की गई। वहीं दूसरी ओर रावण ने भी अमरता के लोभ में विजय कामना से चंडी पाठ प्रारंभ किया। यह बात इंद्र देव ने पवन देव के माध्यम से श्रीराम के पास पहुँचाई और परामर्श दिया कि चंडी पाठ यथासभंव पूर्ण होने दिया जाए। इधर हवन सामग्री में पूजा स्थल से एक नीलकमल रावण की मायावी शक्ति से गायब हो गया और राम का संकल्प टूटता-सा नजर आने लगा। भय इस बात का था कि देवी माँ रुष्ट न हो जाएँ। दुर्लभ नीलकमल की व्यवस्था तत्काल असंभव थी, तब भगवान राम को सहज ही स्मरण हुआ कि मुझे लोग कमलनयन नवकंच लोचन कहते हैं, तो क्यों न संकल्प पूर्ति हेतु एक नेत्र अर्पित कर दिया जाए और प्रभु राम जैसे ही तूणीर से एक बाण निकालकर अपना नेत्र निकालने के लिए तैयार हुए, तब देवी ने प्रकट हो, हाथ पकड़कर कहा- राम मैं प्रसन्न हूँ और विजयश्री का आशीर्वाद दिया। वहीं रावण के चंडी पाठ में यज्ञ कर रहे ब्राह्मणों की सेवा में ब्राह्मण बालक का रूप धर कर हनुमानजी सेवा में जुट गए। निःस्वार्थ सेवा देखकर ब्राह्मणों ने हनुमानजी से वर माँगने को कहा। इस पर हनुमान ने विनम्रतापूर्वक कहा- प्रभु, आप प्रसन्न हैं तो जिस मंत्र से यज्ञ कर रहे हैं, उसका एक अक्षर मेरे कहने से बदल दीजिए। ब्राह्मण इस रहस्य को समझ नहीं सके और तथास्तु कह दिया। मंत्र में जयादेवी... भूर्तिहरिणी में ह के स्थान पर क उच्चारित करें, यही मेरी इच्छा है। भूर्तिहरिणी यानी कि प्राणियों की पीड़ा हरने वाली और करिणी का अर्थ हो गया प्राणियों को पीड़ित करने वाली, जिससे देवी रुष्ट हो गईं और रावण का सर्वनाश करवा दिया। हनुमानजी महाराज ने श्लोक में ह की जगह क करवाकर रावण के यज्ञ की दिशा ही बदल दी।

अन्य कथाएं

इस पर्व से जुड़ी एक अन्य कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर के एकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं को चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। और प्रत्याशित प्रतिफल स्वरूप महिषासुर ने नरक का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए हैं और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा है। तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की। ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था। महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलायीं।

निर्माणाधीन मूर्तियां

चौमासे में जो कार्य स्थगित किए गए होते हैं, उनके आरंभ के लिए साधन इसी दिन से जुटाए जाते हैं। क्षत्रियों का यह बहुत बड़ा पर्व है। इस दिन ब्राह्मण सरस्वती-पूजन तथा क्षत्रिय शस्त्र-पूजन आरंभ करते हैं। विजयादशमी या दशहरा एक राष्ट्रीय पर्व है। अर्थात आश्विन शुक्ल दशमी को सायंकाल तारा उदय होने के समय विजयकाल रहता है। यह सभी कार्यों को सिद्ध करता है। आश्विन शुक्ल दशमी पूर्वविद्धा निषिद्ध, परविद्धा शुद्ध और श्रवण नक्षत्रयुक्त सूर्योदयव्यापिनी सर्वश्रेष्ठ होती है। अपराह्न काल, श्रवण नक्षत्र तथा दशमी का प्रारंभ विजय यात्रा का मुहूर्त माना गया है। दुर्गा-विसर्जन, अपराजिता पूजन, विजय-प्रयाग, शमी पूजन तथा नवरात्र-पारण इस पर्व के महान कर्म हैं। इस दिन संध्या के समय नीलकंठ पक्षी का दर्शन शुभ माना जाता है। क्षत्रिय/राजपूतों इस दिन प्रातः स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर संकल्प मंत्र लेते हैं। इसके पश्चात देवताओं, गुरुजन, अस्त्र-शस्त्र, अश्व आदि के यथाविधि पूजन की परंपरा है।

कैसे करें
घट स्थापना

आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से शारदीय नवरात्रि की धूम नौ दिनों तक रहेगी। इन दिनों मां भगवती के नौ रूपों का पूजन-अर्चन होगा। आइए जानते हैं घटस्थापना कैसे करें -

- घटस्थापना हमेशा शुभ मुहूर्त में करनी चाहिए।
- नित्य कर्म और स्नान के बाद ध्यान करें।
- इसके बाद पूजन स्थल से अलग एक पाटे पर लाल व सफेद कपड़ा बिछाएं।
- इस पर अक्षत से अष्टदल बनाकर इस पर जल से भरा कलश स्थापित करें।
- इस कलश में शतावरी जड़ी, हलकुंड, कमल गट्टे व रजत का सिक्का डालें।
- दीप प्रज्ज्वलित कर इष्ट देव का ध्यान करें।
- तत्पश्चात देवी मंत्र का जाप करें।
- अब कलश के सामने गेहूं व जौ को मिट्टी के पात्र में रोंपें।
- इस ज्वारे को माताजी का स्वरूप मानकर पूजन करें।
- अंतिम दिन ज्वारे का विसर्जन करें।

नौ दिन कैसे करें
कन्या-पूजन

नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। कहते हैं, नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए - गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अतः कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अतः इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।

नवरात्रि के
चमत्कारिक दिव्य मंत्र

वर्तमान में मनुष्य ने अपने जीवन को इतनी आवश्यकताओं से घेर लिया है कि वह उनमें ही उलझा रहता है। ऐसे मनुष्यों के लिए समस्याओं को हल करने के लिए सरलतम मंत्र दे रहे हैं। जो नवरात्रि में करने से सफलता मिलती है एवं समस्या से छुटकारा मिलता है। ऐसे पावन नौ दिनों के लिए दिव्य मंत्र दिए जा रहे हैं, जिनके विधिवत परायण करने से स्वयं के नाना प्रकार के कार्य व सामूहिक रूप से दूसरों के कार्य पूर्ण होते हैं। इन मंत्रों को नौ दिनों में अवश्य जाप करें। इनसे यश, सुख, समृद्धि, पराक्रम, वैभव, बुद्धि, ज्ञान, सेहत, आयु, विद्या, धन, संपत्ति, ऐश्वर्य सभी की प्राप्ति होती है। विपत्तियों का नाश होगा।

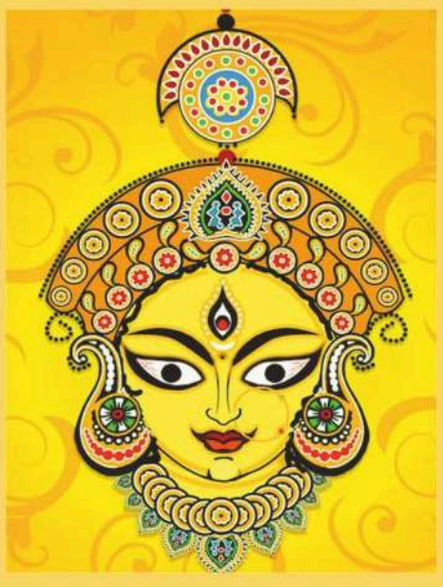

विपत्ति-नाश के लिए
शरणागतदीनार्तपरित्राणपरायणे।
सर्वस्यापहरे देवि नारायणि नमोस्तुते।।

भय नाश के लिए
सर्वस्वरूपे सर्वेश सर्वशक्तिसमन्विते।
भयेभ्यस्त्राहि नो देवि, दुर्गे देवि नमोस्तुते।।

पाप नाश तथा भक्ति की प्राप्ति के लिए
नमेभ्य सर्वदा भक्त्या चण्डिके दुरितापहे।
रूपं देहि जयं देहि यशो देहि द्विषो जहि।।

हर प्रकार के कल्याण के लिए
सर्वमंगल्यमांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके।
शरण्ये त्र्यंबके गौरी नारायणि नमोस्तुते।।

धन, पुत्रादि प्राप्ति के लिए
सर्वबाधाविनिर्मुक्तो-धनधान्यसुतान्वित
मनुष्यों मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय।।

रक्षा पाने के लिए
शूलेन पाहि नो देवि पाहि खंडे न चाम्बिके।
घण्टास्वनेन न पाहि चापज्यानि स्वनेन च।।

मोक्ष की प्राप्ति के लिए
त्वं वैष्णवी शक्तिरन्तवीर्या।
विश्वस्य बीजं परमासि माया।
सम्मोहितं देवि समस्तमेत
त्वं वै प्रसन्ना भूवि मुक्ति हेतु।।

बाधा व शांति के लिए
सर्वबाधाप्रमशन त्रैलोक्याखिलेश्वरि।
एवमेव त्वया कार्यमस्यद्वैरिविनाशन्नम।।

सुलक्षणा पत्नी की प्राप्ति के लिए
पत्नी मनोरमां देहि मनोवृत्तानुसारिणीम
तारिणी दुर्गसंसारसागरस्य कुलोद्भवाम।।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है।
किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267